मेडिकल कालेज के बाद नर्सिंग कालेज की सौगात, स्वास्थ्य सुविधा होगी मजबूत

रोजगार सृजन के साथ कुशल और योग्य नर्सों की होगी उपलब्धता

मीरजापुर

विंध्य क्षेत्र लगातार विकास पथ पर अग्रसर है। मीरजापुर को मेडिकल कालेज के बाद अब नर्सिंग कालेज की सौगात मिली है। इससे स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के साथ रोजगार को बढ़ावा मिलेगा ही, मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलने से सहूलियत होगी। यही नहीं, अब विंध्य क्षेत्र के युवा व युवतियां चिकित्सा के क्षेत्र में दक्ष बनेंगे ही, उन्नति के द्वार खुलेंगे और घर-परिवार के साथ देश को नाम रोशन करेंगे।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री व सांसद अनुप्रिया पटेल के प्रयास से मीरजापुर में नर्सिंग कालेज की स्थापना की जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से नर्सिंग कालेज का प्रस्ताव केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भेजा जा चुका है। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से नर्सिंग कालेज का निर्माण किया जाएगा। बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2023-24 में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से देशभर में 157 नए नर्सिंग कालेजों की स्थापना की घोषणा की थी। इनमें से सर्वाधिक 27 नर्सिंग

कालेज की स्थापना उत्तर प्रदेश में की जाएगी। अमृतकाल के दौर में देश के समग्र विकास के विजन के अनुरूप इन नर्सिंग कालेजों का निर्माण 2014 के बाद से स्थापित 157 मेडिकल कालेजों के साथ सह-स्थानों में किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी कर चुके हैं मेडिकल कालेज का उद्घाटन

बता दें कि केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल के प्रयास से मीरजापुर में मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा मेडिकल महाविद्यालय की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 अक्टूबर 2021 को मेडिकल कालेज जनता को समर्पित किया। मेडिकल कालेज की स्थापना से जनपद सहित प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा सुदृढ़ हुआ है।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलने से मरीजों को होगी सहूलियत, भटकने की जरूरत नहीं

केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि संसदीय क्षेत्र मीरजापुर में काफी समय से नर्सिंग कालेज की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो छात्रों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान कर सके। अब नर्सिंग कालेज की स्थापना होने से रोजगार सृजन के साथ कुशल और योग्य नर्सों की उपलब्धता में वृद्धि होगी। इससे जनपद में ही रोगियों को सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। इसके लिए अब उन्हें गैर जनपद या प्रांत जाकर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कैलिफोर्निया का स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर करेगा काम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार और कैलिफोर्निया के स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के स्टेनफोर्ड बायर्स सेंटर फॉर बॉयोडिजाइन के मध्य साझेदारी हुई है। इसके तहत स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई और गौतमबुद्धनगर की जीआईएमएस के साथ मिलकर काम करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज स्टेनफोर्ड बॉयो डिजाइन की टीम उत्तर प्रदेश की दो प्रतिष्ठित संस्थाओं लखनऊ की एसजीपीजीआई और गौतमबुद्धनगर की जीआईएमएस के साथ पार्टनरशिप करने के लिए यहां आई है। इस पार्टनरशिप के लिए हमारी टीम तैयार है। हम हर सहयोग करेंगे। हमारे पास पोटेन्शियल है। बाजार में प्रस्तुत करने के लिए जो आइडिया होने चाहिए वह मौजूद है। केवल स्किल की जरूरत है। आप यूएस से आए हैं। वहां स्टार्ट अप के लिए अच्छा माहौल है। पिछले नौ वर्षों में भारत में स्टार्ट अप का माहौल बना है। भारत ने दुनिया में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उत्तर प्रदेश ने भी कोविड के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया। देश में न्यूनतम मृत्य दर प्रदेश में थी, उत्तर प्रदेश का प्रबंधन एक उदाहरण रहा है। कोविड के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का प्रबंधन दुनिया के सामने एक मॉडल बना। 220 करोड़ मुफ्त कोविड वैक्सीन, दुनिया में सबसे कम मृत्य दर भारत की थी।

मुख्यमंत्री ने आम महोत्सव 2023 का किया शुभारम्भ

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अवध शिल्पग्राम में आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव 2023 का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आम महोत्सव की स्मारिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने आम निर्यात के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि योगी सरकार किसानों को वैश्विक मार्केट उपलब्ध करा रही है। इससे किसानों की आय बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की खुशहाली के लिए प्रदेश सरकार हर काम करेगी। महोत्सव में आम की 725 प्रजातियों का प्रदर्शन किया जायेगा।

आम का उत्पादन बढ़ाने, आम उत्पादकों को प्रोत्साहित करने और आम के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आम महोत्सव का आयोजन किया गया है। आम महोत्सव में उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के आम निर्यातक भाग लेंगे। सराहनीय प्रदर्शन करने वाले आम निर्यातकों को पुरस्कृत किया जायेगा। इस अवसर पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना : 430 बेसहारा बच्चों के जीवन यापन में बनी मददगार

एक मार्च 2020 के बाद गैर कोविड कारणों से जान गंवाने वाले शख्स के आश्रित बच्चे को मदद

झांसी

योगी सरकार की मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) बेसहारा बच्चों के लिए उनके जीवन यापन में काफी मददगार साबित हो रही है। झांसी जिले में इस योजना के तहत वर्तमान समय में 430 बच्चों को आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है।

इसके साथ ही योजना के लिए पात्र बच्चों के चिन्हांकन का काम निरंतर चल रहा है। योजना के तहत बच्चों को 2500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक मदद दी जाती है, जिससे वे शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी अन्य मूलभूत जरूरतों से वंचित न रह सके।

इस योजना के तहत 23 साल से कम उम्र के उन लाभार्थियों की मदद की जाती है, जिनके माता-पिता अथवा दोनों में किसी एक की मृत्यु एक मार्च 2020 के बाद कोविड के अलावा किसी अन्य कारण से हो गयी हो। इसके साथ ही परिवार की वार्षिक आमदनी तीन लाख रुपये से कम होनी चाहिए। योजना का मकसद यह है कि बेसहारा हुए बच्चों के जीवन यापन में आने वाली कठिनाई को दूर किया जा सके और उन्हें आर्थिक मदद प्रदान कर उनके भविष्य को संवारा जा सके। सरकार ऐसे बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान भी दे रही है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी सुरेंद्र कुमार पटेल ने शुक्रवार को बताया कि सरकार की मंशा है कि अधिक से अधिक बेसहारा बच्चों को पात्रता के आधार पर इस योजना के दायरे में लाया जाए। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत वर्तमान समय में झांसी जिले में 430 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। इसके साथ ही योजना के लिए नए लाभार्थियों के चिन्हांकन का काम भी लगातार चल रहा है।

उप्र शासन के निर्देश पर जिले में खुला अस्थाई टमाटर विक्रय केंद्र

जालौन। देशभर में बढ़ती टमाटर की कीमतों के बाद अब राहत भरी खबर आई है। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर महंगाई को नियंत्रित करने के लिए जिले में टमाटर विक्रय केंद्र खोले गए हैं। जिससे आम जनता को महंगे टमाटर की कीमत न चुकानी पड़े और उन्हें आसानी से कम दाम में टमाटर उपलब्ध हो सके। बता दें कि शासन के निर्देश के बाद टमाटर विक्रय केंद्र खोलने के निर्देश दिए गए हैं। शासन की मंशा है कि आम आदमी को कम दामों में टमाटर उपलब्ध हो सके इस मकसद से मंडी परिसर में अस्थाई टमाटर विक्रय केंद्र खोले गए हैं। जालौन तहसील में टमाटर विक्रय केंद्र खोले गए हैं। जिसमें 70 से लेकर 75 रुपये के बीच में एक किलो टमाटर बेचे जा रहे हैं। मंडी सचिव वीरेंद्र सिंह दोहरे ने शुक्रवार को बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद में कई स्थानों पर टमाटर विक्रय केंद्र खोले गए हैं। इन केंद्रों पर लोगों को 70 से 75 रुपये किलो के हिसाब से टमाटर उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि केन्द्रों पर उपलब्ध कराया जा रहा टमाटर बाजार भाव से लगभग आधे दाम पर लोगों को मिल रहा है।

लोगों के लिए वरदान बनी प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना

मेरठ में अब तक 47 हजार से अधिक लोगों को योजना का मिला लाभ

मेरठ

गरीबों को नि:शुल्क उपचार दिलाने में भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना वरदान साबित हो रही है। मेरठ जनपद में अब तक 47 हजार से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ दिया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग ने इस योजना से वंचित लोगों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने का काम तेज कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों को पांच लाख तक नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की थी। मेरठ जिले में साढ़े चार साल पहले योजना शुरू हुई थी। यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है।

अभी तक 47 हजार से अधिक रोगियों को योजना का लाभ मिल चुका है। मरीजों के उपचार पर 39 करोड़ 41 लाख रुपए का भुगतान अस्पतालों को किया गया है।

जिले में तीन लाख परिवार योजना के पात्र : स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मेरठ जिले में तीन लाख 124 परिवार योजना का लाभ पाने के पात्र है। इनमें से अभी तक एक लाख 55 हजार 30 पात्र परिवार इसका लाभ पा रहे हैं। इस तरह से जिले में आयुष्मान भारत योजना में पात्र लाभार्थी 12 लाख 96 हजार 808 है, लेकिन अभी तक केवल चार लाख 48 हजार 331 लोगों के ही आयुष्मान गोल्डन कार्ड बन पाए हैं। जबकि आठ लाख लोग अभी भी आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

आयुष्मान योजना से हो चुका है किडनी प्रत्यारोपण : आयुष्मान योजना के तहत एक लाभार्थी दौराला निवासी नाजिश का नि:शुल्क किडनी प्रत्यारोपण हो चुका है। गाजियाबाद के यशोदा सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण हुआ।

खबरम्

खास खबरें

मछली की अंतड़ियों में छिपा था बेशकीमती खज़ाना, पेट फाड़ते ही आया बाहर, झट से बनाता है करोड़पति

अगर इंसान की किस्मत अच्छी हो तो कुदरत उसके लिए न जाने कौन-कौन से रास्ते से खुशियां ढूंढ लाती है। बस आपका वक्त अच्छा हो, तो आपको ऐसी-ऐसी चीजें मिल जाती हैं, जो दुनिया में दुर्लभ कही जाती हैं। ऐसा ही हुआ स्पेन में वैज्ञानिकों के एक ग्रुप के साथ, जिन्हें समंदर के किनारे मृत व्हेल की अंतड़ियों से कुछ ऐसा मिल गया, जिसने उन्हें हक्का-बक्का कर दिया।

लास पाल्मास विश्वविद्यालय में पशु स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा संस्थान के चीफ एंटोनियो फर्नांडीज रोड्रिग्ज ने जब मरी हुई व्हेल के शव का परीक्षण किया तो उन्हें पता चला कि वो डाइजेशन में दिक्कत होने की वजह से मरी है। ऐसे में उन्होंने उसका पेट फाड़कर अंदर देखना चाहा तो उन्हें मछली की आंतों में फंसा हुआ ऐसा खज़ाना मिला, जो रातोंरात किसी को भी करोड़पति बना सकता है।

मछली के पेट से निकला खज़ाना

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक रोड्रिग्ज को मछली की आंतों में फंसा 9 ।5 किलोग्राम का एक स्लेटी रंग का पत्थर मिला। किसी को अंदाज़ा भी नहीं था कि ये पत्थर एम्बरग्रीस था, जिसकी कीमत मार्केट में 5 ।4 मिलियन यानि 44 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हो सकती है। चूंकि ये पत्थर किसी आम आदमी या मछुआरे को नहीं बल्कि वैज्ञानिकों को मिला है, ऐसे में अब इसके लिए खरीदार की तलाश जारी है। संस्थान ने बताया है कि इससे मिले हुए पैसे को 2021 में ला पाल्मा पर फटे वॉल्कैनो के पीड़ितों की मदद में लगाया जाएगा।

कैसे अंतड़ियों तक पहुंचा खज़ाना

दरअसल एम्बरग्रीस कहीं बाहर से नहीं आता है, बल्कि ये व्हेल मछली की ही उल्टी होती है। ये ठोस मोम जैसा पदार्थ होता है, जो समंदर में तैरता पाया जाता है। ये जिसके भी हाथ लगता है वो झट से अमीर बन जाता है। दरअसल व्हेल स्क्विड और कटलफिश खाती हैं, जिनका ज्यादातर भाग उनसे पच नहीं पाता और उल्टी के तौर पर बाहर आता है। कई बार ये आंतों में ही फंसकर रह जाता है और एम्बरग्रीस अंदर ही बना लेता है, जो इस बार वैज्ञानिकों के हाथ लगा है। इसे समुद्र का तैरता हुआ सोना या खज़ाना कहा जाता है। इसका इस्तेमाल परफ्यूम बनाने में किया जाता है। वैसे भारत समेत ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में इसकी बिक्री पर प्रतिबंध है क्योंकि ये काफी दुर्लभ होता है।

गांव में सांड का मंदिर, 21 साल पहले पुलिस की गोलियों से बचाई थी ग्रामीणों की जान

जींद

करीब 21 साल पहले हरियाणा के जींद में एक आंदोलन हुआ था। उस दौरान एक सांड ने किसानों का खूब साथ दिया था। बिजली बिलों को माफ करवाने को लेकर कंडेला में किसान सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे।

उस वक्त यह सांड किसानों का साथ दे रहा था। सांड पुलिस को देख कर इस कदर बिगड़ता था कि पुलिसवालों को भाग कर ही जान बचानी पड़ती थी। यहां तक की घोड़ा पुलिस को भी इस सांड ने खदेड़ दिया था। हरियाणा के इतिहास में किसानों के उस विरोध-प्रदर्शन को 'कंडेला कांड' के नाम से जाना जाता है। 2002 में हरियाणा में चौटाला सरकार थी। इस गांव में किसान आंदोलन के दौरान पुलिस ने गोलियां चलाई थीं। कंडेला गांव के ग्रामीण बताते हैं कि घोड़े पर सवार होकर आई पुलिस जब उन पर हावी हो रही थी, तब सांड ने पुलिस को खदेड़ना शुरू किया। पुलिस ने फायर किए लेकिन सांड की वजह से किसी को गोली नहीं लगी।

बीमारी से गई जान : इस कांड के कुछ दिन बाद बीमारी से उसकी मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने उस सांड के प्रति अपनी कृतज्ञता दिखाने के लिए मंदिर बनवा दिया। आज इसी मंदिर में आम लोगों के अलावा राजनेताओं की भी भीड़ लगी रहती है और सभी सांड की पूजा करते हैं।

कंडेला में नहीं हुई थी मौत : कंडेला गांव में आंदोलन का मंच तैयार हुआ। इस पर सरकार ने कंडेला सहित पांच गांवों की मेन लाइन ही पावर हाउस से कटवा दी। लोगों ने रोड जाम कर दिया। इसके बाद कंडेला में फायरिंग हुई, लेकिन इसमें कोई जान की हानि नहीं हुई। इसके बाद नगूरां व गुलकनी गांव में फायरिंग हुई। इसमें आठ किसानों की मौत हो गई। इसके बाद आंदोलन उग्र हो गया। किसानों ने कई अधिकारियों को बंधक बनाया था। इसके चलते दो महीने तक कंडेला गांव में जींद-चंडीगढ़ मार्ग बंद रहा। इसके बाद से ही कंडेला गांव को आंदोलन के प्रतीक के रूप में देखा जाने लगा।

आज लोग लेते हैं आशीर्वाद : जब ग्रामीणों पर पुलिस ने फायर किया उस वक्त सांड ने आगे बढ़कर पुलिस वालों को खदेड़ दिया और कई की जान बच गई। इस वजह से सांड का सम्मान काफी बढ़ गया। ग्रामीणों ने बताया की आज गांव का हर व्यक्ति सांड यानी खागड़ के मंदिर में जाता है और आशीर्वाद लेता है।

जापान में लड़कियां नहीं कर रहीं शादियां, वजह करेगी हैरान

जापान कहा जाता है कि ईश्वर ही ऊपर से दो लोगों की जोड़ियां बनाते हैं, हालांकि इसमें कहीं शादी की बात नहीं कही गई है। शादी समाज की एक व्यवस्था है। इसमें दो लोग रीति रिवाजों, कानूनी नियमों और अधिकारों के साथ एक साथ जीवन बिताने के लिए सहमत होते हैं, लेकिन अब इस व्यवस्था में लोगों का यकीन कम होता जा रहा है। विशेषतौर पर महिलाएं अब शादी नहीं करना चाहती हैं जिनमें जापान की महिलाएं सबसे आगे हैं।

इसकी वजह से जापान के सामने दोहरी समस्या खड़ी हो गई है। देश में एक तरफ जन्मदर ऋणात्मक हो गई है जिससे निपटने के लिए सरकार युवाओं को शादी करने और अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। स्टेम में लड़कियों को देखकर जापानी कंपनियां मानने लगी हैं कि वो नवोन्मेष, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा के क्षेत्रों में दुनिया से पीछे छूट रही हैं। क्योंकि इन क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी लगातार घटती जा रही है। जापान के शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेज, टोक्यो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष की छात्रा यूना काटो शोध में करियर बनाना चाहती हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने शादी कर ली और बच्चे पैदा कर लिए, तो उनका करियर खत्म हो जाएगा।

खास खबर समुद्र किनारे मिला जलपरी का कंकाल...

अजीबोगरीब जीव की हड्डियां देख लोगों में खौफ, इंसानों जैसी है खोपड़ी

दुनिया में कई इतने विचित्र जीव हैं कि इंसानों को पूरी तरह उनके बारे में जानकारी भी नहीं है। ऐसे में जब उन जीवों से संबंधित कोई चीज नजर आ जाती है, या फिर वो जीव ही दिखाई दे जाते हैं तो लोगों को बहुत हैरानी होती है। हाल ही में ऐसे ही एक जीव का कंकाल ऑस्ट्रेलिया के एक बीच पर लोगों को नजर आया तो हर कोई उसे जलपरी का कंकाल बताकर हैरान होने लगा। हड्डियों के कुछ टुकड़े इंसानों जैसे लग रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया के क्वीन्सलैंड में केपल सैंड्स बीच पर लोगों को हड्डियों का एक ढांचा मिला जिसे देखकर उनके होश उड़ गए। उस कंकाल की तस्वीर को बॉबी-ली ओट्स ने खींची है जो बीच पर घूमने गई थीं। उन्होंने जब उस हड्डियों के ढांचे को देखा तो उन्हें लगा या तो उन्होंने इंसान की सड़ चुकी लाश देखी है या फिर किसी नई प्रजाति के जीव को देखा है। उन्हें उसे देखकर डर भी लग रहा था।

क्या ये है जलपरी की अस्थियां : उस ढांचे का लंबा शरीर दिख रहा है, रिब केज है और रीढ़ की हड्डी बनी दिख रही है। जीव की खोपड़ी भी है जो इंसानों जैसी ही लग रही है। लोग तो उसे जलपरी की अस्थियां बता रहे हैं। पर इस दावे का समर्थन नहीं किया जा सकता क्योंकि जलपरी एक काल्पनिक किरदार है जो फिल्मों में देखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि जीव का शरीर करीब 6 फीट लंबा है। उन्होंने बताया कि उनका परिवार ड्राइव कर रहा था और एक कैंपसाइट खोज रहा था तभी उन्हें ये नजारा दिखाई पड़ा।

असल में कौन सा है वो जीव : उन्हें लगा कि वो इंसान की हड्डी है। उन्होंने बीच पर रुककर देखा जिससे उनकी कंफ्यूजन दूर हो सके। उन्होंने कहा- उसमें एक लम्बी जबड़े वाली मानव आकार की खोपड़ी थी। जीव के बाल, गाय या कंगारू के रंग के समान थे, लेकिन सड़न के कारण कई स्थानों पर बाल गायब थे। वो बिल्कुल जलपरी की आकृति जैसा था, लेकिन बालों वाला! ऐसा लग रहा था कि उसकी एक पूंछ या किसी प्रकार का अंग है ङ्क हम चौंक गए क्योंकि यह शुरू से ही मानव जैसा लग रहा था। हालांकि, जब उन्होंने फेसबुक पर इन तस्वीरों को शेयर किया तो लोगों को कहा कि वो पानी में रहने वाली स्तनधारी जीवों की अस्थियां लग रही हैं, जो डॉल्फिन, व्हेल, ऑर्कास या पॉरपॉइस हो सकते हैं।

आपका राशिफल 15 जुलाई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख आराम प्रभावित होगा। धर्म कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनों के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक 1 2 5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक 5 6 9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। स्वविवेक से कार्य करें। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7